International Journal of Advance and Applied Research (IJAAR)
Peer Reviewed Bi-Monthly
ISSN – 2347-7075
Impact Factor –7.328
Vol.9 Issue.3 Jan–Feb- 2022

# हिंदी में रोजगार की संभावनाएं

**प्रो. त्रिवेणी विश्वजीत जाधव**
सहायक प्राध्यापक डॉ. डी. वाय. पाटील आकुर्डी पुणे

**शोध संक्षेप:**

आज की भूमंडलीकरण के युग में हिंदी भाषा एक प्रभावशाली भाषा है। हिंदी को वैश्विक रूप प्राप्त हुआ है। हिंदी ने विविध क्षेत्र को नई दृष्टि दी है। अनुवाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाएं हैं। हिंदी भाषा का विस्तार व विकास होने के कारण रोजगार की संभावनाओं को उजागर किया है।

प्रस्तुत शोध पत्र में हिंदी की क्षमता के साथ साथ हिंदी में रोजगार की संभावना पर प्रकाश डाला है।

**महात्मा गांधी जी ने कहा था की " राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है।"**

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।संविधान के अनुच्छेद 343 के अनुसार "संघ सरकार के सभी कार्य हिंदी में किए जाते हैं।" अतः राजभाषा अधिक नियम 1963, 1968 और राजभाषा नियम 1976 में हिंदी के कार्यान्वयन संबंधी प्रावधान किए गए है। जो भारत सरकार के सभी कार्यालय में लागू है ।भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन 26 जून 1975 को "राजभाषा विभाग की स्थापना की गई।" हर एक क्षेत्र का अपना महत्व है। मनुष्य को जीवन जीने के लिए कुछ ना कुछ काम करना पड़ता है। उसी प्रकार हर एक विषय का अपना महत्व है। भाषा ही शिक्षा का माध्यम है। हिंदी भाषा लगातार लोकप्रिय होती जा रही है। दुनिया में हिंदी दूसरी भाषा है जो ज्यादा लोग बोलते हैं। हिंदी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाई हुई है। हिंदी भाषा अध्ययन रोजगार परक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी और निजी संस्थानों में हिंदी भाषा रोजगार के तमाम अवसर प्रदान करती है। इस शोधपत्र के माध्यम से जीवन की व्यावहारिकता को समझाया है। इस शोधपत्र में भावनात्मकता और आदर्शवादीता कई दिखाई नहीं देती। हिंदी अध्यापन, समाचार वाचन, पत्रकारिता, अनुवाद, पर्यटन क्षेत्र , शिक्षा, बैंकिंग , सिनेमा, विज्ञापन , खानपान आदि सभी क्षेत्रों में भी रोजगार की संभावनाएं है। आज हिंदी का भारतीय बाजार में वर्चस्व फैला है। आज हिंदी बोलने वालों की संख्या 50 करोड़ को पार कर चुकी है। हिंदी भारतीयता की चेतना है। **हिंदी अध्यापन:-** हिंदी मे अध्ययन के साथ-साथ अध्यापन करने की पारंपारिक विकल्प माना जाता है। हिंदी में प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षण संस्था तक योग्यता के अनुसार बहुत सारी संधियां उपलब्ध है। नेट राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में भी आप

हिस्सा ले सकते हैं। इस परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने के बाद हमें जूनियर रिसर्च फैलोशिप मिल सकती है। हम इससे पीएचडी शोध कार्य कर सकते है। और उत्तीर्ण छात्र महाविद्यालयों में प्रोफेसर के रूप में कार्य कर सकते हैं।

केंद्रीयविद्यालय मैं भी अध्यापन के रूप में कार्य कर सकते हैं। लेकिन प्रतियोगि परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। जिस छात्रों ने स्नातक के साथ B.Ed किया है वह प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक टीजीटी के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्नातक के बाद डी एल एड करने वाले छात्र प्राथमिक शिक्षा संस्थानों में भी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।

**मनोरंजन क्षेत्र :-** मनोरंजन के क्षेत्र में रोजगारी के बहुत सारे अवसर है।आज से आज के जमाने में मनोरंजन एक उद्योग के समान उभर आया है। टीव्ही ने बहुत सारे कलाकारों, संगीतकारों, गायकों के लिए रोजगार उपलब्ध कराए हैं।

फिल्म के क्षेत्र में निम्नलिखित रोजगार उपलब्ध है।

संवाद लेखन, पटकथा लेखन, गीत लेखन इन सब को हिंदी का सही उच्चारण सिखाने के लिए प्रशिक्षक के रूप में भी रोजगार की संभावनाएं है।आज के जमाने मे हिंदी के नये धारावाईक कथा लिखने के रूप मे रोजगारी की संभावना है। उसके साथ साथ कार्टून फिल्म का डबिंग पार्श्व आवाज के लिये बहुत सारी रोजगार के अवसर उपलब्ध है। जब कोई फिल्म आने वाली होती है तो गीतकार के रूप में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध है।

बॉलीवुड के कारण हिंदी भाषा का प्रचार प्रसार ज्यादा हुआ है। जो भी अहिंदी भाषी क्षेत्र है वहां भी हिंदी की लोकप्रियता ज्यादा बढ़ रही है। मनोरंजन के कारण ही मनुष्य के जीवन में एक प्रकार से आनंद का निर्माण होता है जीवन के प्रति आत्मविश्वास होता है।

इसलिए हिंदी भाषा मनोरंजन के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

**पर्यटन क्षेत्र :** पर्यटन के क्षेत्र में हिंदी भाषा में रोजगारों की संभावना है। आधुनिक काल में पर्यटन क्षेत्र प्रमुख व्यवसाय बन रहा है। पर्यटक स्थानिक भाषा नहीं जानते पर्यटकों को मार्गदर्शन करने के लिए हिंदी भाषा का महत्व है। स्थलों की जानकारी दिलाने के लिए हिंदी भाषा का महत्व है। जानकारी दिलाने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाता है। टूरिस्ट गाइड यह भी रोजगार उपलब्ध है। ज्यादातर भारत में हिंदी भाषा का ही प्रयोग होता है। पर्यटन का विकास होने से रोजगार बढ़ रहे हैं । हॉटल, रेस्टोरेंट, गाइड, यात्रा, हस्तशिल्प, वस्त्र उद्योग में भी रोजगार की संधिया उपलब्ध है। शिक्षा से संबंधित सेमिनार के क्षेत्र में भी इंसान खुद को साबित कर सकता है।

**अनुवादक :** अनुवादक का ज्यादा महत्व है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई प्रकाशन संस्थाएं है। पुस्तकों के अनुवाद के लिए अनुवादक की मांग करते है। विभिन्न विषयों की पाठ्य सामग्री को हिंदी माध्यम के छात्रों के लिए

हिंदी अनुवाद की आवश्यकता है। जिस व्यक्ति को हिंदी का ज्ञान है वही विषय को गंभीरता और सजीवता दे सकता है।

वही अकादमिक अनुवाद के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। ज्ञान को बढ़ाने के लिए विभिन्न साहित्य को समझने के लिए अनुवाद करके उसको हिंदी भाषा में अनुवादित किया जाता है। देश विदेश मैं अनेक संस्थाओं को अनुवाद की आवश्यकता है। समाज को बदलने के लिए आध्यात्मिक या विज्ञान संबंधी किताबों के अनुवाद होते हैं। लोगों तक पहुंचाने के लिए अच्छे अनुवादक की आवश्यकता है। अनुवाद के लिए कई विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम चला रहे हैं।

- अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा हिंदी द्वाराअनुवाद तकनीकी पाठ्यक्रम
- एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा पीजी डिप्लोमा हिंदी पत्रकारिता
- दिल्ली पुणे बनारस विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित प्रयोजनमूलक हिंदी पत्रकारिता

**व्यवसायिक क्षेत्र :** इस क्षेत्र पर भी रोजगार की संभावनाएं है। विदेशी एजेंसियों के माध्यम से हम अनुवाद के कई प्रोजेक्ट ले सकते हैं। उदा. मोबाइल कंपनी, वाशिंग मशीन कंपनी को इनके उपयोग संबंधी दिशा निर्देश बताई जाती हैं। विदेशी कंपनी के वस्तुएं बेचने के लिए हिंदी जानकार व्यक्ति की आवश्यकता होती है। जो उपभोक्ता की समस्याओं को उनको समझने के लिए हिंदी में जानकारी दे सके। मैनेजर से लेकर विक्रेता तक हिंदी विशेषज्ञ की आवश्यकता है।

आज की भूमंडलीकरण के युग में दुनिया करीब आ रही है। देश विदेश में व्यापार के कारण लोग नजदीक आ रहे है। दुनिया की 147 देशों की विश्वविद्यालय में हिंदी पढ़ाई जाती है। जैसे शिक्षा क्षेत्र दूतावास समाचार रिपोर्टर पत्राचार हिंदी में भेजने के लिए हिंदी विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है।

**अंतर्राष्ट्रीय स्तर :** अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी में रोजगार की बहुत सारी संभावनाएं हैं। दूतावास के हिंदी विभाग में हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवादक, हिंदी सहायक के रूप में भी रोजगार की संभावनाएं हैं। विदेशी कंपनियों में समन्वयक विक्रेता, टूरिस्ट के गाइड विदेशी भाषा में लिखी पुस्तकों का अनुवाद किया जाता है।

**समाचार वाचक रेडियो जॉकी:** आपको लगता है कि दुनिया आपको जाने पहचाने आपकी आवाज सुने तो आप इस क्षेत्र को चुन सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप आपकी प्रतिभा का उपयोग कर सकते हैं। लोगों का मनोरंजन करने के साथ आप खुद का करियर बना सकते हैं। समाचार पढ़ने में भी अपना खुद का करियर बना सकते हो। सिर्फ प्रभावशाली आवाज होना आवश्यक है, इससे आप खुद की पहचान बना सकते हैं। **जनसंचार :** आज के तकनीक ने भौतिक सीमाओं को तोड़कर संपूर्ण विश्व को एक सूत्र में पिरो दिया है। जनसंचार का क्षेत्र आज शिक्षा कैरियर की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। जनसंचार में पत्रकारिता ,टीवी, फिल्म मेकिंग , संपादन , फिल्म प्रोडक्शन आदि क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं है।

**डॉ.अर्जुन तिवारी** समाज संस्कृति साहित्य दर्शन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार तथा मानव संघर्ष, क्रांति, प्रगति, दुर्गतिमैं जीवन सागर में उठने वाले ज्वारभाटा को दिग्दर्शक करने में जनसंचार माध्यम सक्षम है।

**पत्रकारिता में करियर:** पत्र कारिता में करियर बनाने के लिए हिंदी पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। हिंदी का अध्ययन अच्छी तरह से करना है, तभी आप सहज सरल रूप में अभिव्यक्ति कर सकती है। इसमें रोजगार प्राप्त कर सकते हैं इसके साथ-साथ जो घटनाएं प्रतिदिन घटित होती है उसके प्रति सजग रहना है। तभी आप हिंदी चैनल पर समाचार वाचक के रूप में काम कर सकते हैं। पत्रकारिता रोजगार का एक विकल्प है। मेहनती प्रतिभावान युवकों के लिए बहुत संभावनाएं हैं। बहुत सारे हिंदी चैनल सुयोग्य युवाओं की प्रतीक्षा में खड़े हैं।

**क्रिएटिव राइटिंग:** हिंदी में क्रिएटिव राइटिंग रचनात्मक लेखन में आप खुद का करियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में अगर आप नियमित लेखन करते हैं, तो समाज में आपका नाम होगा फिल्म, टीवी, रेडियो, वेबसाइट, पोर्टल आदि क्षेत्र में जुड़ कर आप अपना एक प्रभाव शाली व्यक्तित्व निर्माण कर सकते हैं। समाज के अलग-अलग रहस्य को उद्घाटित करना और उसमे सृजनशील विचारों से लोगों के विचार परिवर्तन करना, मनोरंजन करना, पाठकों का ध्यान आकर्षित करना है।

कविता, कहानी, यात्रा रुत्त, रिपोतार्ज, साक्षात्कार दृश्य, साहित्य, पत्रकारिता से परिचित करना है।

**सुमित्रानंदन पंत** "वियोगी होगा पहला कवि आ ह से उपजा होगा गान।"

हम तभी लिखते हैं जब दुखी होते हैं। या ज्यादा खुश होते है।यही लेखन रोजगार की संभावनाएं निर्माण करता है। बांग्ला और मराठी में संस्मरण का काफी महत्व है यही पत्र पत्रिकाएं भी रोजगार की संभावनाएं निर्माण करते हैं।

अनुसंधान केवल बड़ी-बड़ी वैज्ञानिक की प्रयोगशाला में नहीं होते,सामान्य लोगों के द्वार भी होते हैं। खेत खलिहान में भी कर्म शालाओं में भी नई नई चीजों को खोजा जाता है, यह भी रोजगार का माध्यम है।

**खेल क्षेत्र :** हमारे देश विदेश में अनेक ऐसे खेल खेले जाते हैं। खेल के माध्यम से मनोरंजन होता है। हमारी तबीयत अच्छी रहती है। देश मैं एशियाड, कॉमन वेल्थ और ओलंपिक खेल के दौरान हर चैनल पर समाचार के अलावा ढेर सारे खेल के संबंधी चैनल है। उसका सीधा प्रसारण, पुनः प्रसारण, परिचर्चा और साक्षात्कार कार्यक्रम हम ले सकते हैं। उसमें भी रोजगार की संभावनाएं है।

उसके साथ साथ अलग-अलग खेलों से भी हम उसकी परिचर्चा हो, साक्षात्कार हो खिलाड़ी का ले सकते हैं। उस में रोजगार की संभावनाएं हैं। अतिरिक्त क्रिकेट जैसा सदाबहार खेल साल भर विभिन्न रूपों में सबको व्यस्त रखता है। कभी टेक्स्ट मैच, कभी आईपीएल, कभी वनडे, कभी और 20 20, आजकल अन्य कई खेलों के राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय

प्रसारण क्षेत्र में भी रोजगार की संभावनाएं है। राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय विभिन्न खेलों में हिंदी में विशेषज्ञ, वक्ता, कमेंटेटर और परिचर्चा आदि में भी रोजगार की संभावनाएं है।

**कंप्यूटर क्षेत्र:** हिंदी कंप्यूटिंग रोजगार ज्ञान विज्ञान क्षेत्र में हिंदी लेखन ने रोजगार के नए अवसर प्रदान किए हैं। यूनिकोड के कारण टाइप करना आसान हो गया है। इसमें भी रोजगार के अवसर उपलब्ध है। हिंदी वेब पत्रकारिता में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध है। समाज को वास्तविकता का दर्शन दिला सकते हैं। ब्लॉग लेखन में भी आप प्रगति कर सकते हैं।

**निष्कर्ष:** उपर्युक्त विवेचन से इस बात की उपयुक्त जानकारी उपलब्ध कराता है कि हिंदी भाषियों को रोजगारो की बहुत सारी संभावनाएं है। सिर्फ आपको हिंदी पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। आज के वैज्ञानिक तकनीकी युग में आप अपना अलग अस्तित्व निर्माण कर सकते हैं। आज के भूमंडलीकरण के युग में हिंदी एक प्रभावशाली भाषा है। इसलिए हिंदी भाषियों को निराश होने की आवश्यकता नहीं।

इस दुनिया के बाजार में हिंदी भाषा को चुनकर नौकरी की अनेक संभावनाएं हैं। इन अवसरों का लाभ हमें उठाना है। तभी हम सफलता की ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं। हिंदी अध्यापन के माध्यम से हम एक नई पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं। इसलिए अध्यापन करने से हम अच्छा व्यक्तित्व निर्माण कर सकते हैं। हिंदी अध्यापन क्षेत्र में भी हमें बहुत सारे रोजगार की संभावनाएं हैं। उससे हम खुद का भविष्य निर्माण कर सकते हैं। पर्यटन क्षेत्र में भी हमें रोजगार की संभावनाएं है क्योंकि इससे हम प्रकृति के साथ समरस होते हैं। उसके साथ साथ हमें प्रकृति के बारे में अभ्यास करने की चुनौती मिल जाती है। इससे हम पर्यटकों को मदद भी करते हैं और खुद एक अलग अस्तित्व निर्माण करते हैं। क्रिएटिव राइटिंग के माध्यम से हमारी सृजनात्मकता बढ़ जाती है। हम एक सृजनशील व्यक्ति बन जाते हैं। सृजनशील विचार हमें खुद का कैरियर बनाने में मदद करते हैं। पत्रकारिता में भी रोजगार की संभावनाएं हैं क्योंकि उससे हम प्रतिदिन सजग रहते हैं। समाचार वाचक के रूप में भी काम कर सकते हैं। दुनिया में आपकी पहचान बनाने के लिए रेडियो पर भी काम कर सकते हैं। आपकी प्रतिभा की दुनिया कदर करेगी। आधुनिक तकनीक की दुनिया में मनोरंजन क्षेत्र अवसर के रूप में सामने आया है। हर एक क्षेत्र के माध्यम से रोजगार की संभावनाएं हैं।

**संदर्भ ग्रंथ:**


1. जनसंचार और पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी
2. पत्रकारिता के विविध आयाम: मार्शल मैकलुहान
3. हिंदी जनसंचार माध्यम वैश्वीकर के संबंध में: रविंद्र कुमार
4. दैनिक भास्कर: लक्ष्य पत्रिका नवंबर 2009
5. विदेशों में हिंदी पत्रकारिता: डॉ. प्रद्युम्न मिश्र


**प्रो. त्रिवेणी विश्वजीत जाधव**